P-532

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-504

ग्रहण, वेध-यन्त्र तथा गोल परिचय-01

MA Jyotish (MAJY)

1st Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. ग्रहयुति विचार में गतैष्यदिनादि का साधन करें।

2. सूर्यग्रहण पर निबन्ध लिखिए।

3. क्षेत्रप्रदर्शन द्वारा लम्बन एवं नति का साधन कीजिए।

4. कालांश से आप क्या समझते हैं? नक्षत्रों के कालांश का वर्णन कीजिए।

5. पात का परिचय देते हुए वैधृतिपात का लक्षण एवं स्पष्ट व्याख्या करें।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ग्रहण में कृत्याकृत्य पर प्रकाश डालिए।

2. चन्द्रग्रहण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

3. बलन से क्या तात्पर्य है?

4. लम्बन एवं नति का प्रयोजन बतलाइए।

5. ग्रहयुति का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

6. ग्रास क्या है? स्पष्ट कीजिए।

7. अयनाक्ष बलन को परिभाषित करते हुए क्षेत्र द्वारा स्पष्ट करें।

8. शुक्लांगुल का साधन कीजिए।

अथवा

कृष्णपक्ष में सूर्यास्त के पश्चात् चन्द्रोदय काल का ज्ञान कैसे करते हैं?